दैनिक सच एक्सप्रेस
सत्यम् सदैव सुन्दरम् ...



## संपादकीय

# पीएम संबोधन में शिक्षा गायब

पांच सितंबर को 'शिक्षक दिवस' आया और चला गया। कुछ रस्मी आयोजन जरूर किए गए। देश में यह दिवस प्रथम उपराष्ट्रपति एवं दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन पर मनाया जाता है। वह महान दार्शनिक और शिक्षाविद थे। राधाकृष्णन की अदम्य और विनम्र इच्छा थी कि उनका जन्मदिन शिक्षा और शिक्षकों को समर्पित किया जाएगा, तो अच्छा रहेगा। 1962 से यह सिलसिला जारी है कि 5 सितंबर को 'शिक्षक दिवस' मनाया जाता है। मौजूदा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शिक्षक को 'नियति का निर्माता' करार दिया है, तो प्रधानमंत्री मोदी ने अपने सरकारी आवास पर राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिक्षकों से मुलाकात की। उनके साथ हल्के-फुल्के पल भी जिए। बच्चों के संदर्भ में स्क्रीन टाइम और नशे की लत से बचाने की नसीहत भी दी। इसी दिन प्रख्यात श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स का 'शताब्दी समारोह' भी मनाया गया। प्रधानमंत्री मोदी मुख्य अतिथि थे और उन्होंने छात्रों की युवा पीढ़ी, जेन-जी, को संबोधित भी किया। अपेक्षा थी कि प्रधानमंत्री शिक्षा, स्कूल, परीक्षा और रोजगार पर सरकार की नीतियों और विचाराधीन कार्यक्रमों, योजनाओं पर कुछ साझा करेंगे, लेकिन उनका संबोधन 2013 की स्थितियों और 'आधा गिलास खाली' की राजनीति पर ही केंद्रित रहा। प्रधानमंत्री ने एक बार फिर दोहराया कि 2014 से पहले का कालखंड निराशा, हताशा के दलदल में फंसा था। घोटाले चरम पर थे।

विकास फर्श पर और महंगाई अर्श पर थी। उन्होंने छात्रों से कहा कि आप इंटरनेट खोल कर सब कुछ पढ़ और जान सकते हैं कि तब हालात क्या थे? दरअसल हमारा सवाल यहीं उभरता है कि क्या अध्ययनरत छात्रों का यही सरोकार होना चाहिए? उन्हें शिक्षा, परीक्षा, रोजगार के प्रति आश्वस्त नहीं किया जाना चाहिए था? प्रधानमंत्री का संबोधन था, न कि एक विशुद्ध राजनेता छात्रों के साथ संवाद कर रहा था! यहां हम कुछ आंकड़े फिर दोहरा रहे हैं, ताकि पाठक और सरकार जान सकें कि देश में स्कूली शिक्षा और आधारभूत ढांचे का यथार्थ क्या है? 2014-25 के दौरान 1.02 लाख सरकारी स्कूल बंद हो चुके हैं और 1.04 लाख स्कूलों में एक ही अध्यापक (शिक्षक?) है। क्या वह अपने शिक्षक-धर्म को निभा सकता है? करीब 70,000 स्कूलों में शौचालय की सुविधा नहीं है, 55083 स्कूलों में लाइब्रेरी नहीं है, 4.08 लाख स्कूलों में कम्प्यूटर की व्यवस्था नहीं है, 46345 स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय नहीं है और देश के 48 फीसदी छात्र सरकारी स्कूलों से ही शिक्षित होने को बाध्य हैं। करीब 48 फीसदी छात्र 12वीं कक्षा तक पढ़ाई जारी नहीं रख पाते। ऐसे यथार्थ में हम एक पर्याप्त पढ़ी-लिखी, हुनरमंद जेन-जी की पीढ़ी कैसे पैदा कर सकते हैं? ऐसे कई आंकड़े प्रधानमंत्री मोदी के ध्यान में होंगे! उन्हें 'शिक्षक दिवस' पर कौन-सा प्रधानमंत्री स्वीकार करेगा? छात्रों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी सरकार की खूब गालबजाई की। पहली तिमाही की विकास दर 7.8 फीसदी को 'अतुलनीय' और वैश्विक करार दिया।

# जीडीपी से नहीं, जमीन पर नजर आए बदलाव

**भारत में सबसे अमीर 10 फीसदी लोगों के पास कुल संपत्ति का लगभग 65 फीसदी हिस्सा है। सबसे ज्यादा कमाई करने वाले 10 फीसदी लोग राष्ट्रीय आय का 58 फीसदी हिस्सा पाते हैं, जबकि सबसे निचले 50 फीसदी लोगों को सिर्फ 15 फीसदी मिलता है। आर्थिक असमानता की यह खाई लगातार बढ़ती जा रही है। निश्चित तौर पर प्रधानमंत्री का यह हक है कि जीडीपी की ग्रोथ पर खुशी मनाने का आह्वान करें, पर जब तक इसका असर देश की मूल समस्याओं के निराकरण में नजर नहीं आएगा, देश के लोगों की उदासी दूर नहीं होगी। सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र के साथ-साथ निजी क्षेत्र में भी युवाओं को रोजगार देना होगा। बड़ी संख्या में युवा अभी बेरोजगार हैं। उन्हें उनकी शिक्षा के अनुरूप रोजगार नहीं मिल पा रहा है। इस दिशा में कुछ प्रयास जरूर हुए हैं, फिर भी अभी और काम करने की जरूरत है। रोजगार मिलने से कई समस्याएं हल हो जाएंगी।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से भारत की तरक्की का जश्न मनाने के लिए कहते हुए 7.8 फीसदी की शानदार जीडीपी ग्रोथ के लिए बधाई दी। सवाल यह है कि क्या आम आदमी देश में जीडीपी ग्रोथ को समझता है। क्या जीडीपी बढ़ना देश की मौजूदा समस्याओं के समाधान का कोई पैमाना है। देश में जब प्रधानमंत्री जीडीपी बढ़ोतरी की घोषणा कर रहे थे, उसी दिन कमर्शियल एलपीजी के दाम में बढ़ोतरी हो गई है। दिल्ली में इसके दाम में 9.50 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। दिल्ली में अब कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 2747.50 रुपए, मुंबई में 2701 रुपए और चेन्नई में 2916.50 रुपए हो गई है। कमर्शियल सिलेंडर के महंगे होने से होटल, ढाबे आदि में खाना-पीना महंगा होना तय है। वहीं घर मिलने वाली चीजों के दाम में भी बढ़ोतरी हो सकती है। इसके अलावा 5 किलो वाले गैस सिलेंडर का भी दाम 2 रुपए बढ़कर 764 रुपए हो गया है।

मुंबई और तमिलनाडु में दूध महंगा हो गया है। बॉम्बे मिल्क प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन ने थोक दूध की कीमतों में 9 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। इससे दूध की थोक दर 93 रुपए से बढ़कर 102 रुपए प्रति लीटर हो गई है। भारत में जुलाई-अगस्त 2026 के दौरान खाद्य महंगाई दर बढ़कर 5.52 प्रतिशत हो गई है, जिसके कारण चीनी, प्याज, टमाटर, दाल और खाना पकाने के तेल जैसी जरूरी रसोई की चीजें महंगी हो गई हैं। चावल और दूध के दाम भी स्थिर से लेकर उच्च स्तर पर बने हुए हैं। महंगाई बढ़ने के कारण प्याज (22.54 फीसदी), लहसुन (35.36 फीसदी) और अदरक (83.62 फीसदी) की कीमतों में भारी तेजी आई है। ईंधन और परिवहन महंगाई बढ़कर 4.43 फीसदी हो गई है, जिससे माल ढुलाई की लागत बढ़ी है। रेस्त्रां और आवास सेवाओं की महंगाई दर बढ़कर लगभग 7.72 फीसदी हो गई है। देश के आम आदमी को हर दिन होने वाली कठिनाइयों से जूझना पड़ रहा है। देश का मध्यम वर्ग और निम्न वर्ग को जीडीपी की ग्रोथ से अंतर तब पड़ता है, जब उनकी बुनियादी सुविधाओं में कोई बेहतरी नजर आए।

देश में पानी, बिजली, स्कूल, अस्पताल, सडक़, रोजगार, महंगाई जैसी बुनियादी समस्याओं की भरमार है। इनसे राहत मिलती भी है तो ऊंट के मुंह में जीरे जितनी। इससे बदलाव नजर नहीं आता। भारत की आधी से अधिक आबादी यानी करीब 60 करोड़ लोग गंभीर जल संकट का सामना कर रहे हैं। देश के भूजल का बड़ा हिस्सा आर्सेनिक, फ्लोराइड

और अन्य भारी धातुओं (हैवी मेटल्स) की वजह से दूषित हो चुका है। बारिश का पर्याप्त पानी होने के बावजूद उचित हार्वेस्टिंग (संचयन) न होने के कारण पानी बेकार बह जाता है। नीति आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, साफ पीने का पानी न मिलने के कारण हर साल देश में करीब 2 लाख लोगों की मौत हो जाती है। वर्ष 2026 में भीषण गर्मी, रिकॉर्ड बिजली मांग (मई 2026 में 270 गीगावाट से अधिक) और स्थानीय रखरखाव के कारण उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, ओडिशा और तेलंगाना जैसे कुछ राज्यों के इलाकों में आंशिक या अस्थायी कटौती की गई। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार भारत में बेघरता की दर प्रति 10000 लोगों पर 13 है। अर्थात 17 प्रतिशत लोगों के पास अपना घर नहीं है। देश के ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 35 प्रतिशत गांवों में स्थानीय स्तर पर कोई भी बुनियादी चिकित्सा सुविधा या स्वास्थ्य केंद्र उपलब्ध नहीं है। ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों और सर्जनों की भारी कमी है, जो लगभग 80 प्रतिशत तक खाली पड़े हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 10 वर्षों (2014-15 से 2024-25) में देश भर में करीब 94000 सरकारी स्कूल बंद या आपस में मर्ज किए गए हैं। इसका मतलब है कि औसतन हर दिन 25 स्कूलों पर ताला लगा है।

इसी दशक में सरकारी स्कूलों में कुल छात्रों का नामांकन 2.26 करोड़ कम हुआ है, जो 2014-15 के 26.95 करोड़ से घटकर 2024-25 में 24.69 करोड़ रह गया है। देश के एक लाख से अधिक स्कूलों में आज भी बिजली की उचित सुविधा नहीं है, और कई स्थानों पर पीने का साफ पानी उपलब्ध नहीं है। 71959 स्कूलों में लड़कियों के लिए और 1.12 लाख स्कूलों में लडक़ों के लिए काम करने वाले शौचालय मौजूद नहीं हैं।

1.39 लाख स्कूलों में लाइब्रेरी और 2.65 लाख स्कूलों में खेल का मैदान नहीं है। डिजिटल लाइब्रेरी का अभाव तो लगभग 13.62 लाख स्कूलों में है। भारत में 15 से 29 वर्ष के युवाओं की बेरोजगारी दर जून 2026 में बढ़कर 16.2 फीसदी हो गई है। 15-29 आयु वर्ग की महिलाओं में यह दर बढ़कर 20.7 फीसदी हो गई। इसी आयु वर्ग के पुरुषों में यह दर 14.6 फीसदी दर्ज की गई। जून 2026 में शहरी युवा बेरोजगारी दर 18.2 फीसदी और ग्रामीण युवा बेरोजगारी दर 15.1 फीसदी रही। नीति आयोग की बहुआयामी गरीबी सूचकांक रिपोर्ट के अनुसार, सबसे अधिक गरीबी वाले राज्य बिहार में 51.91 फीसदी आबादी गरीब है। झारखंड में 42.16 फीसदी लोग गरीबी में जीवन बिता रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में 37.79 फीसदी जनसंख्या गरीब है। मध्य प्रदेश में 36.65 फीसदी लोग गरीब हैं। भारत में सबसे अमीर 10 फीसदी लोगों के पास कुल संपत्ति का लगभग 65 फीसदी हिस्सा है। सबसे ज्यादा कमाई करने वाले 10 फीसदी लोग राष्ट्रीय आय का 58 फीसदी हिस्सा पाते हैं, जबकि सबसे निचले 50 फीसदी लोगों को सिर्फ 15 फीसदी मिलता है। आर्थिक असमानता की यह खाई लगातार बढ़ती जा रही है। निश्चित तौर पर प्रधानमंत्री का यह हक है कि जीडीपी की ग्रोथ पर खुशी मनाने का आह्वान करें, पर जब तक इसका असर देश की मूल समस्याओं के निराकरण में नजर नहीं आएगा, देश के लोगों की उदासी दूर नहीं होगी। सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र के साथ-साथ निजी क्षेत्र में भी युवाओं को रोजगार देना होगा। बड़ी संख्या में युवा अभी बेरोजगार हैं। उन्हें उनकी शिक्षा के अनुरूप रोजगार नहीं मिल पा रहा है। इस दिशा में कुछ प्रयास जरूर हुए हैं, फिर भी अभी और काम करने की जरूरत है। रोजगार मिलने से कई समस्याएं हल हो जाएंगी।

**-योगेंद्र योगी**

**सूचना**

**दैनिक सच एक्सप्रेस में प्रदेशभर के 42 जिला प्रतिनिधि व 200 से अधिक तहसील और विकासखण्ड प्रतिनिधि सेवाएं दे रहे हैं। लगभग यह सभी किसी अन्य न्यूज एजेंसी या सोशल मीडिया से भी जुड़े हुए हैं। अखबार के अलावा किसी अन्य प्लेटफार्म पर इनकी टिप्पणी या समाचार को दैनिक सच एक्सप्रेस से जोड़कर न देखा जाए।**

**प्रबंध सम्पादक**

# पवित्र अंतःकरण में बैठाओ भगवान मंदिर के जैसा बनाओ अपना मकान

**जीवन समाधान**

**महाराज वैभव भटेले**
(धर्म, अध्यात्म एवं राष्ट्रीयता के ओजस्वी वक्ता)
Mobile No. 9303139229

भारतभूमि भक्ति की भूमि है। यहां युग-युगांतर में सिद्धों ने समाधि लगाई है जिनकी साधना के आगे निराकार सत्ता साकार हो आई है। पौराणिक प्रमाण पढ़ लीजिये इस भारत वसुंधरा पर भगवान के अब तक तेईस अवतार हुए हैं। जिनके प्रभाव से यहां के कण- कण में विराजे भगवान हैं। वो भी मंदिर हैं जिन्हें हम कहते मकान हैं। ये वो भूमि है जिसमें जहां कुदाल चलाओगे वहां शिव प्रकट हो जाएंगे। कभी समाधिस्थ नजर आएंगे तो कभी अपनी जटाओं में गंगधार प्रवाहित किये और हाथ में त्रिशूल लिए नृत्य करते नजर आएंगे। यह तो शत प्रतिशत तथ्यात्मक है कि यहां के कंकर कंकर में शंकर हैं। बस, बात इतनी सी है कि जहां शंकर हैं वहां देव दानव मानव भूत पिशाच आदि से लेकर विषैले भुजंग भयंकर हैं।अर्थात औघड़दानी शिव के दरबार में सबको स्थान है।चाहे कोई आस्तिक हो अथवा नास्तिक ,दानव हो अथवा मानव,हिंसक हो अथवा अहिंसक, धर्म पथिक हो अथवा विधर्मी ,यही तो विशेष बात है कि शिव ने सबको सहारा दिया। जिनके अस्तित्व को मिटाने के प्रयास कोई नई बात नहीं है। शास्त्रोक्त प्रमाण हैं कि शिव ने जिन्हें समर्थ बनाया सहारा दिया वही भस्मासुर बनकर उन्हें नेस्तनाबूद करने पर तुले।लेकिन ऐसा कभी हो न सका क्योंकि इस सृष्टि जगत में शिव ही हैं जो सृष्टि के पूर्व में भी विद्यमान थे वर्तमान में भी विद्यमान हैं और जब महाप्रलय होगा तब भी प्रलयंकर शिव ही समाधि में लीन नजर आएंगे। इसलिए कम से कम मनुष्य होकर तो शिव के अस्तित्व को चुनौती मत दो। उन्हें छुपाने का दुस्साहस मत करो। यह तो किसी भी तरह धर्मानुकूल नहीं है और न ही स्वस्थ मानवीय आचरण के अनुरूप। जिस सनातन संस्कृति में मनुष्य के मन को ही मंदिर माना गया हो ,ज्जहां घर एक मंदिरज् जैसा महान विचार तराशा गया हो वहां किसी देव मंदिर को कैसे छुपाया जा सकता है। हो गई होगी कभी इस तरह की भूल और किसी कारणवश मौन हो गया होगा समग्र मानवीय समाज। लेकिन अब का जीवन जागरूकता की ज्योति के प्रकाश से भरा जीवन है। जिसमें हम सबके जाति धर्म और पथ पंथ भले अलग हो सकते हैं लेकिन मानवीय अत्याचार और अन्याय के विरुद्ध हर धर्मावलम्बी की दृष्टि न्यायिक होनी चाहिए।सबको मिल बैठकर सत्य और न्याय की राह निकालना चाहिए। ताकि समाज में शांति सद्भाव और सौहार्द्र का वातावरण हमें अपने सरवोपरि मानव धर्म पर चलने का मार्ग प्रशस्त करता रहे।

## सच वाणी

**सभी आलेख लेखकों के अपने विचार हैं।
दैनिक सच एक्सप्रेस सभी विषयों पर तटस्थ था, है और रहेगा।**

# साझी संस्कृति की अनूठी ऐतिहासिक नंदा राजजात यात्रा

**नंदा देवी राजजात उत्तराखंड की अनूठी धार्मिक-आध्यात्मिक यात्रा है, जो मां नंदा को ध्याण के रूप में कैलास विदा करने की भावुक परंपरा, लोकविश्वास, इतिहास और रोमांच को समेटे हुए है।**

नंदा राजजात का धार्मिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक महत्त्व है। यह यात्रा रहस्य और रोमांच से भरपूर है। 9वीं सदी में गढ़वाल के तत्कालीन राजा ने यह यात्रा शुरू की। तब से यह धार्मिक यात्रा हर 12 वर्ष के बाद आयोजित की जाती है। हालांकि, सन 1905 से 2014 के बीच अब तक केवल सात बार यह यात्रा आयोजित की गई। यात्रा में 280 किलोमीटर तक बर्फीले रास्तों और कठिन रास्तों से होकर अंतिम पड़ाव रूप कुंड (होमकुंड) में पहुंचा जाता है। खास बात यह कि यात्रा की अगुवाई चार सींगों वाला भेड़ (चौसिंग्या खाडू) करता है। इस यात्रा को एशिया की सबसे लंबी और कठिन पैदल धार्मिक यात्रा माना जाता है,उत्तराखंड देवभूमि में मां नंदा केवल देवी नहीं, बल्कि पहाड़ की विवाहित बेटी (ध्याण) के रूप में मान्यता रखती हैं।

नंदा राजजात महज़ यात्रा नहीं, बल्कि विशुद्ध रूप से धार्मिक और आध्यात्मिक यात्रा है। यह अपनी ध्याणी (विवाहिता बेटी) को मायके से ससुराल (कैलाश पर्वत) विदा करने का अनूठा और भावुक लोक-उत्सव है। प्रतिवर्ष भाद्रपद मास में नंदा-जात (छोटी जात) आयोजित होती हैं। लेकिन नंदादेवी राजजात तय समय में परंपरा और शास्त्रों के अनुसार ही आयोजित की जाती है।

### 280 किमी का कठिन-निर्जन सफ़र

उत्तराखंड राज्य के सीमांत जनपद चमोली के नौटी गांव से शुरू होकर यात्रा उच्च हिमालय क्षेत्र होमकुंड पर ठहरती है। समुद्र की गहराई से 17,500 फीट की ऊंचाई तक जाने वाली यह यात्रा 20 दिनों में पूरी होती है। पैदल और कड़ाके की ठंड। श्रद्धालु कड़ाके की ठंड, घने जंगलों, खड़ी चट्टानी चढ़ाइयों और ऑक्सीजन की कमी वाले रास्तों से गुज़रते हैं।

### रिंगाल से बनती पवित्र छंतोली

राजजात की अगुवाई के लिए रिंगाल (विशेष प्रजाति का पहाड़ी बांस) से बनी एक छतरी बनाई जाती है। इसे छंतोली कहा जाता है। स्थानीय मान्यतानुसार इसको मां नंदा का प्रतीक मानकर पूरे रास्ते अत्यंत श्रद्धा से ले जाया जाता है। इसको लेकर जाने वालों को पूरे नियम और संयम का पालन करना होता है।

### यात्रा से पहले दो धार्मिक आयोजन

नंदादेवी राजजात आयोजन से पहले दो प्रमुख धार्मिक आयोजन होते हैं। इसमें एक मोडवी और दूसरा मनौती। मोडवी उत्सव में स्थानीय क्षेत्रपाल और उफ़राई देवी की पूजा-अर्चना की जाती है। मोडवी के बाद चौसिंग्या मेड़ा के उत्पन्न होने की सूचना राजकुंवरों को विधिवत रूप से दी जाती है। इसके बाद राजकुंवर मां नंदा से मनौती मांगते हैं। इसके बाद राजकुमारों द्वारा मां नंदा से मनौती मांगी जाती है।

### चौसिंग्या खाडू (चार सींगों वाली भेड़)

इस यात्रा में चार सींगों वाला नर भेड़ (चौसिंग्या खाडू) केंद्र में होता है। लोक-मान्यता है कि जब 12 साल बाद राजजात का समय आता है, तो चांदपुर गढ़ी क्षेत्र के किसी भी गांव में चार सींगों वाला भेड़ जन्मता है। जो चौसिंग्या खाडू मान्यता और शास्त्रों के अनुरूप खरा उतरता है, उसका चयन किया जाता है। चौसिंग्या खाडू के चयन का अधिकार कासवा गांव, चांदपुर क्षेत्र और राजवंशी कुंवरों के पास है। इसके बाद राजकुंवरों द्वारा मां से मनौती मांगी जाती है। चौसिंग्या खाडू बिना किसी रस्सी या किसी सहायता के यात्रा की अगुवाई करते हुए 280 किलोमीटर तक स्वयं रास्ता दिखाता है।

### अकेले कैलास की ओर प्रस्थान

होमकुंड में अंतिम पूजा और अन्य अनुष्ठान के बाद यह चौसिंग्या खाडू मां नंदा देवी के वस्त्र, आभूषण और प्रसाद अपनी पीठ पर लादकर अकेले निर्जन, बर्फ से ढके उच्च हिमालय क्षेत्र की ओर प्रस्थान करता है। बताया जाता है कि वह कभी वापस दिखाई नहीं देता।

### बेटी की भावुक विदाई

इस यात्रा का पहला और अंतिम पड़ाव बड़ा भावुक होता है। अंतिम पड़ाव होमकुंड में जब मां नंदा की विदाई का समय आता है तो उस समय यात्रा में शामिल हर व्यक्ति की आंखें नम हो जाती हैं। उनकी आंखों से आंसुओं की धारा बह निकलती है। पारंपरिक जागरों के साथ मां नंदा को कैलाश के लिए विदा किया जाता है। यह पल ठीक उसी तरह का होता है, जब किसी बेटी को उसके ससुराल विदा किया जाता है।

### गढ़वाल-कुमाऊं की साझी संस्कृति

यह यात्रा गढ़वाल और कुमाऊं की साझा संस्कृति की मिसाल है। इसमें स्थानीय पारंपरिक जागर, लोकगीत, पारंपरिक वाद्य ढोल-दमाऊ यात्रा की खास पहचान हैं। इसमें गढ़वाल और कुमाऊं मंडल की देव छंतोलियां भी सम्मिलित होती हैं। सभी अंतिम पड़ाव तक साथ चलती हैं।

## वर्ग पहेली 2955

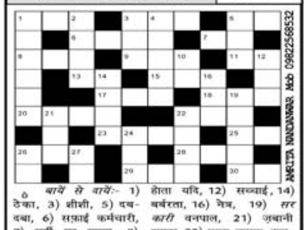


बायें से दायें:- 1) होता यदि, 12) सच्चाई, 14) ठेका, 3) शीशी, 5) दबदबा, 6) सफ़ाई कर्मचारी, 7) मुर्गी का बच्चा, 8) पलक के बाल, 9) घड़ा, 11) हज्जाम, 13) लाश, 15) खाद्य सामग्री, 17) खदेड़ना, 18) मुसलमान, 20) ज़्यादा भाग, 22) चिंतन, 23) भाग्य, 25) निकृष्ट, 26) पहरेदार, 28) चितवन; तंज़, 29) मठाधिपति, 30) ऋण.

ऊपर से नीचे:- 1) लगभग, 2) चंद्रमा, 3) एक मेवा, 4) बकबक करना, 5) प्रतिदिन, 10) अच्छा बर्बरता, 16) नेत्र, 19) सरकारी वनपाल, 21) ज़ुबानी झगड़ा, 22) पन्ना नामक रत्न, 24) काटकर लगाने की टहनी, 26) दोस्त, 27) खाली.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

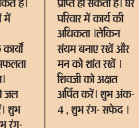

## सच एक्सप्रेस पंचांग

**ज्योतिषाचार्य**
श्रीमती सुषमा शंकरलाल पुरोहित
मो: 8823008303

मंगलवार 08 सितंबर 2026
सूर्योदय- प्रातः 6:01 बजे
सूर्यास्त- शाम 6:26 बजे
चंद्रोदय - 7:53
चंद्रास्त - 6:40
शक संवत् - 1948 पराभव
विक्रम संवत - 2083 रोद्र
पूर्णिमांत महीना- भाद्रपद
पक्ष - कृष्ण
तिथि - द्वादशी दिन 1:37 तक पश्चात् त्रयोदशी।
नक्षत्र- पुष्य शाम 4:43 तक पश्चात् अश्लेषा में।
योग - परिघ रात्रि 12:44 तक पश्चात् शिव
करण - तैतिल दिन 2:47 तक पश्चात् गर
सूर्य राशि - सिंह
चंद्र राशि - दिन 12:34 तक मिथुन राशि में संचार।
शुभांक 1-2-3

**मेष**

नए कार्य की शुरुआत के लिए दिन अच्छा। व्यापार और नौकरी में प्रगति के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। खर्चों पर नियंत्रण रखें।परिवार का सहयोग प्राप्त होगा । शिवजी को जल अर्पित करें । शुभ अंक- 3 , शुभ रंग - लाल ।

**वृष**

आज रुका धन प्राप्त हो सकता है ।स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। अनावश्यक विवादों से बचें।आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत।शिवजी को अक्षत अर्पित करें। शुभ अंक- 2 , शुभ रंग - लाल ।

**मिथुन**

विद्यार्थीयों और नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन उत्तम। यात्रा के योग बन सकते हैं।आत्मविश्वास में आज वृद्धि । शिवजी को हरे फल अर्पित करें । शुभ अंक - 5 , शुभ रंग- हरा ।

**कर्क**

कार्य क्षेत्र में धैर्य रखें ।परिवार के सदस्यों के साथ समय व्यतीत करने से मन प्रसन्न रहेगा ।कार्य क्षेत्र में थोड़ा सतर्क है । शिवजी को मिश्री अर्पित करें। शुभ अंक- 1 , शुभ रंग- सफेद ।

**सिंह**

पूर्व में रची गई किसी महत्वपूर्ण योजना पर आज कार्य प्रारंभ कर सकते हैं। अधिकारियों से सहयोग प्राप्त होगा।मान-सम्मान में वृद्धि योग। शिवजी को लाल गुलाब का फूल अर्पित करें। शुभ अंक- 1 , शुभ रंग- नीला ।

**कन्या**

धन संबंधी कार्यों में थोड़ी सावधानी बरतें ।नई जिम्मेदारी आपके कार्यक्षेत्र में मिल सकती है। परिवार से सहयोग प्राप्त होगा । शिवजी को अक्षत अर्पित करें। शुभ अंक- 1 , शुभ रंग- हरा ।

**तुला**

भाग्य अनुकूल। रुके हुए कार्य संभव हो सकते हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि। परिवार से सहयोग प्राप्त।शिवजी को कोई फल अर्पित करें। शुभ अंक - 6 , शुभ रंग- भूरा ।

**वृश्चिक**

निवेश सोच समझकर करें। परिवार में कोई शुभ समाचार प्राप्ति हो सकती है।कार्य क्षेत्र में संयम आवश्यक । शिवजी को लाल फल अर्पित करें। शुभ अंक- 1 , शुभ रंग- हरा ।

**धनु**

मित्रों से सहयोग प्राप्त हो सकता है। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल। व्यापारी और नौकरीपेशा दोनों के लिए शुभ संयोग बन सकता है । शिव जी को मिश्री अर्पित करें । शुभ अंक- 4 , शुभ रंग- नीला ।

**मकर**

पद उन्नति के साथ नयी जिम्मेदारी मिल सकती है। खर्च में वृद्धि लेकिन नियंत्रण आवश्यक। मेहनत का फल अच्छा प्राप्त होगा शिवजी को दुर्वा अर्पित करें। शुभ अंक- 2 , शुभ रंग- हरा ।

**कुंभ**

संतान सम्बन्धी अच्छे समाचार प्राप्त हो सकते हैं। प्रेम संबंधों में मधुरता। रचनात्मक कार्यों में अच्छी सफलता प्राप्ति योग। शिवजी को जल अर्पित करें। शुभ रंग- 2 , शुभ रंग- नीला ।

**मीन**

संपत्ति या वाहनों से जुड़े कार्यों में सफलता प्राप्त हो सकती है। घर परिवार में कार्य की अधिकता ।लेकिन संयम बनाए रखें और मन को शांत रखें । शिवजी को अक्षत अर्पित करें। शुभ अंक- 4 , शुभ रंग- सफेद ।

**ग्रह स्थिति**

सूर्य- सिंह राशि में, ता. 17 की रात्रि 11:41 से कन्या राशि में। मंगल- मिथुन राशि में, ता. 18 की दोपहर 3:07 से कर्क राशि में प्रवेश । बुध- सिंह राशि में , ता. 7 के दिन 1:03 से कन्या राशि मे , ता. 26 के दिन 12:42 से तुला राशि में । गुरू- कर्क राशि में । शुक्र - कन्या राशि में , ता.1 के रात्रि अंत 4:59 से तुला राशि में । शनि- मीन राशि मे वक्री । राहु- कुंभ राशि में। केतु- सिंह राशि में।

**दिशा शूल**

उत्तर दिशा में यात्रा वर्जित है। अति आवश्यक होने पर गुड़ का सेवन कर घर से निकलें।

**चौघड़िया**

चर सुबह 9:00-10:30 तक
लाभ सुबह 10:30-12:00 तक
अमृत दिन 12:00-1:30 तक
शुभ दोपहर 3:00-4:30 तक

**अभिजीत मुहूर्त**

सुबह 11.45 से दिन 12:25 तक !

**सर्वार्थ सिद्धि योग**

ता. 1 को सूर्योदय से देर रात्रि 3:10 तक। ता.7 शाम 6:10 से रात्रि अंत तक। ता. 8 को अपराह्न 4:53 से रात्रि अंत तक। ता. 13 को सूर्योदय से दिन 2:15 तक। ता. 16 को शाम 6:14 ता. 17 की रात्रि 8:25 तक। ता. 27 को सूर्योदय से दिन 12:01 तक। ता.29 को सूर्योदय से दिन 11:00 तक। ता. 30 को सुबह 9:57 से रात्रि अंत तक।

पुष्य नक्षत्र: ता. 7 की शाम 6:10 से ता. 8 की अपराह्न 4:43 तक।

त्रिपुष्कर योग - ता. 12 को सुबह 7:33 से दिन 1:54 तक।

**रवि योग**

रवियोग: ता.3 की रात्रि 1:47 से ता. 4 की रात्रि 12:33 तक। ता. 13 के दिन 1:11 से ता. 15 की दोपहर 3:25 तक। ता. 16 की शाम 5:26 से ता. 17 की रात्रि 7:57 तक । ता. 20 की रात्रि 1:47 से ता.22 की सुबह 6:13 तक। ता. 24 की सुबह 10:39 से ता . 25 की सुबह 11:26 तक।

अमृत सिद्धि योग: ता. 1 को सूर्योदय से रात्रि 3:10 तक।ता . 13 के सूर्योदय से दिन 2:15 तक। ता. 16 को शाम 6:14 से रात्रि अंत तक। ता. 29 को सूर्योदय से दिन 11:00 तक।